8th class sanskrit notes | प्राचीनाः विश्वविद्यालयः(पुराने विश्वविद्यालय)

पाठ 7 – प्राचीनाः विश्वविद्यालयः(पुराने विश्वविद्यालय)

प्राचीनाः विश्वविद्यालयः(पुराने विश्वविद्यालय)
(अव्यय प्रयोग)

[प्राचीन भारत में विभिन्न ....परिचय दिया गया है ।] **बहूनां शास्त्राणां .....तत्र निरन्तरं जायते ।**
अर्थ -अनेको शास्त्रों का और ज्ञानविषयों को जहाँ शिक्षा दी जाती है उसी का नाम विश्वविद्यालय है । वहाँ सुयोग्य शिक्षक लोग निष्पक्ष भाव से छात्रों को पढ़ाते हैं । छात्र प्रवेश परीक्षा के बाद ही वहाँ प्रवेश पाते हैं । विश्वविद्यालय ज्ञान के केन्द्र होते हैं । ज्ञान का विकास भी वहाँ हमेशा होता है ।

प्राचीन भारते तक्षशिलायां .....छात्राः अधीतवन्तः ।

अर्थ – प्राचीन भारत में तक्षशिला में प्रसिद्ध विश्वविद्यालय छ : सौ वर्ष ई . पूर्व ही स्थापित हुआ था । बौद्ध साहित्य में तक्षशिला का बार – बार उल्लेख है । यह विश्वविद्यालय गान्धार देश में था । उस देश का तक्षशिला में राजधानी था । आजकल तक्षशिला का भग्नावशेष पाकिस्तान देश में रावल पिण्डी के समीप है । यहाँ धनुष विद्या का आयुर्वेद विद्या का तथा अन्य विद्याओं का शिक्षण दिया जाता था ।
यहाँ बुद्धकालीन वैद्य जीवन , वैयाकरण पाणिनी , मौर्य राज्य के संस्थापक चन्द्रगुप्त , कूटनीति को जाननेवाला चाणक्य इत्यादि प्रसिद्ध अनेक छात्र अध्ययन किये थे ।

नालन्दा विश्वविद्यालयः बिहारे ..... विशालता ज्ञायते।

अर्थ -नालन्दा विश्वविद्यालय बिहार में ही था । इसके भग्नावशेष (खण्डहर) बहुत बड़े भूभाग में अवस्थित है । कुमार गुप्त के द्वारा पाँचवीं शताब्दी में इसकी स्थापना की गई थी । लगभग सात सौ वर्षों तक यह कायम रहा । क्रूर आक्रमणकारियों के आक्रमण से इसका नाश कर दिया गया । यहाँ अनेक चीन यात्री बहुत वर्षों तक अध्ययन किये थे । उनमें से हुएनसांग प्रधान है । उसके द्वारा विश्वविद्यालय का विस्तारपूर्वक विवरण दिया गया है । यहाँ दस हजार छात्र और एक हजार अध्यापक रहते थे । जबकि बौद्ध धर्म में इसका लगाव था । अनेकों शास्त्रों का वर्णन भी यहाँ किया गया था जिसको वहाँ पढ़ाया जाता था । इस विश्वविद्यालय का तीन बहुत बड़ा पुस्तकालय सात मजिल पर मौजूद था । खण्डहर से विश्वविद्यालय की विशालता का पता चलता है ।

बिहार राज्ये एव पालवंशीयेन .....गौरवभूतौ स्तः ।

अर्थ -बिहार राज्य में ही पालवंशीय राजा धर्मपाल के द्वारा स्थापित विक्रमशिला – विश्वविद्यालय भी अनेक शास्त्रों के शिक्षण के लिए प्रसिद्ध था । यहाँ भी नालन्दा की तरह ही चीन , तिब्बत आदि देशों से आकर छात्र अध्ययन करते थे । कुछ अध्यापक भी दोनों विद्यापीठों (विश्वविद्यालयों) से तिब्बत और चीन नियंत्रित होकर गये थे । इस विक्रमशिला विश्वविद्यालय का भी विनाश नालन्दा के साथ क्रूरों के द्वारा धन लुटने की आशा से कर दिया गया । दोनों विश्वविद्यालय बिहार के गौरवपूर्ण हैं ।

https://www.evidyarthi.in/

शब्दार्थ –

बहूनाम = बहुत का , अनेक का । शास्त्राणाम् = शास्त्रों का । ज्ञानविषयाणाम् = ज्ञान के विषयों का । दीयते = दिया जाता है । तस्यैव (तस्य + एव) = उसी का । अभिधानम् = नाम । निष्पक्षभावेन = निष्पक्ष भाव से , बिना किसी का पक्ष लिए । परीक्षानन्तरमेव = परीक्षा के बाद ही । लभन्ते = पाते हैं । विकासोऽपि = विकास भी । निरन्तरम् = हमेशा । जायते = होता है । प्राचीने = प्राचीन में , पुराने में । तक्षशिलायाम् = तक्षशिला में । षष्ठशतके छठी शताब्दी में । ईस्वीपूर्वमेव = ईस्वी पूर्व ही । अवर्तत = हुआ था । बौद्धसाहित्ये = बौद्ध साहित्य में । तक्षशिलायाः = तक्षशिला का / की । भूयः भूयः = बार – बार । गान्धारदेशे = गान्धार में (वर्तमान पाकिस्तान में) । बभूव = हुआ । सम्प्रति = इस समय (साम्प्रतम् = आजकल) । भग्नावशेषः = खण्डहर । रावलपिण्डीसमीपे = रावलपिण्डी के समीप में । अन्यासाम् = दूसरी का / क / की । विद्यानामपि (विद्यानाम् + अपि) = विद्याओं का , विषयों का भी । बुद्धकालिकः बुद्धकालीन , बुद्ध के समय वाला । वैयाकरणः = व्याकरण के विद्वान । मौर्यराज्यस्य = मौर्य राज्य का , के , की । कूटनीतिज्ञः = कूटनीति जाननेवाला । इत्यादयः = इत्यादि । अधीतवन्तः = अध्ययन करते थे । अवस्थिता = स्थित , रही हुई । पञ्चमशतके = पाँचवीं शताब्दी में । खीष्टाब्दे = ईस्वी में । सप्तशतानि = सात सौ । वर्षाणि = वर्ष (बहुवचन) । बर्बराणाम् = बर्बरों के , क्रूरों के । विध्वंसः = नाश । अबनानेके = यहाँ अनेक । चीनयात्रिकाः = चीनी यात्री । दत्तम् = दिया गया । दशसहस्राणि = दस हजार । एकसहसमध्यापकाः = एक हजार अध्यापक । निवसन्ति स्म = रहते थे । अभिनिवेशः = लगाव , ज्ञान । शास्त्राणामपि = शास्त्रों का भी । तानि = वे (नपुंसक लिङ्ग) । पाठ्यन्ते = पढ़ाये जाते हैं । त्रयः = तीन (पुल्लिङ्ग) तिम्रः (स्त्री .) तीन , त्रीणि (नपुं .) तीन । अविद्यन्त = मौजूद थे । विशालता = बड़ा आकार का भाव , भव्यता । जायते = जाना जाता है । अत्रापि = यहाँ भी । नालन्दायाम् = नालंदा में । आगताः = आये हुए । अधीयते स्म = अध्ययन करते थे । केचन = कोई , कुछ (पुल्लिङ्ग) । उभाभ्याम् = दोनों से (आपादान कारक) । विद्यापीठाभ्याम् = विद्यापीठों से (अपादान कारक) । अस्यापि = इसका भी । सार्धम् = साथ । धनलुण्ठनाशया (धनलुण्ठन + आशया) = धन को लूटने की आशा से

व्याकरणम्

सन्धि – विच्छेदः

तस्यैव = तस्य + एव (वृद्धि – सन्धि) ।
छात्राश्च = छात्रा : + च (विसर्ग – सन्धि) । परीक्षानन्तरमेव = परीक्षा + अनन्तरम् + एव (दीर्घ – सन्धि) ।
विकासोऽपि = विकास : + अपि (विसर्ग – सन्धि) । ईस्वीपूर्वमेव= ईस्वीपूर्वम् + एव ।
भग्नावशेषाः = भग्न + अवशेषाः (दीर्घ – सन्धि) । विद्यानामपि = विद्यानाम् + अपि ।
इत्यादयः = इति + आदयः (यण – सन्धि) । अत्रानेके = अत्र + अनेके (दीर्घ – सन्धि) । शास्त्राणामपि = शास्त्राणाम् + अपि ।
नालन्दायामिव = नालन्दायाम् + इव ।
अत्रापि = अत्र + अपि (दीर्घ – सन्धि) ।
अस्यापि = अस्या + अपि (दीर्घ – सन्धि)
। यद्यपि = यदि + अपि (यण – सन्धि) ।

प्रकृति – प्रत्यय – विभागः

दीयते =√दा + यक् लट् लकार , प्रथम पुरुष , एकवचन (कर्मवाच्य)
पाठयन्ति =√पत् + णिच् लट् लकार , प्रथम पुरुष , बहुवचन
लभन्ते =लभ् + लट् लकार , प्रथम पुरुष , बहुवचन (आत्मनेपदी)

https://www.evidyarthi.in/

भवन्ति= √भू लट् लकार , प्रथम पुरुष , बहुवचन
जायते= √जन् लट् लकार , प्रथम पुरुष , एकवचन आसीत् =√अस् लङ्लकार , प्रथम पुरुष , एकवचन बभूव =√भू लिट् लकार , प्रथम पुरुष , एकवचन
सन्ति=√ अस् लट् लकार , प्रथम पुरुष , बहुवचन अधीतवन्तः =अधि +√इङ् + क्तवतु , पुंल्लिङ्ग , बहुवचन
कृता=√कृ+ क्त , स्त्रीलिङ्ग , एकवचन
अवस्थिताः= अव +√स्था + क्त , पुल्लिङ्ग , बहुवचन जातः=√जन् + क्त , पुंल्लिङ्ग , एकवचन
दत्तम्=√ दा + क्त नुपंसकलिङ्ग , एकवचन
निवसन्ति =नि + √वस् लट् लकार , प्रथम पुरुष , एकवचन
करोति =√कृ लट् लकार , प्रथम पुरुष , एकवचन
अविद्यन्त =√विद् (सत्तायाम्) लङ् लकार , प्रथम पुरुष , एकवचनज्ञा
ज्ञायते=√ज्ञा यक् (कर्मवाच्य) लट् लकार प्रथम पुरुष , बहुवचन
आगतः=आ + √गम् + क्त , पुल्लिङ्ग , बहुवचन
कतः=√कृ + क्त , पुंल्लिङ्ग , एकवचन
स्तः=√अस् लट् लकार , प्रथम पुरुष , द्विवचन
अधीयन्ते =अधि +√इङ् लट् लकार , प्रथम पुरुष , बहुवचन
गच्छन्ति =√गम् + लट् लकार , प्रथम पुरुष , बहुवचन।

evidyarthi

https://www.evidyarthi.in/